

## प्रेस विज्ञप्ति

# इरेडा का नॉरफंड के साथ अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भविष्य में सहयोग और निवेश के अवसरों के बारे में विचार-विमर्श



बैंकॉक, थाईलैंड, 19 मई, 2023

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने इरेडा टीम के साथ आज बैंकॉक, थाईलैंड में नोरफंड (विकासशील देशों के लिए नॉर्वेजियन इन्वेस्टमेंट फंड) के कार्यालय का दौरा किया और भारत में आरई विकास के लिए निवेश के अवसरों और सहयोगी फंडिंग मॉडल पर चर्चा की।

नोरफंड के प्रतिनिधियों में एशिया कार्यालय की क्षेत्रीय निदेशक प्रमुख सुश्री फे चेतनाकर्णकुल और स्वच्छ ऊर्जा के वरिष्ठ निवेश प्रबंधक, श्री इंगे स्टोलन शामिल थे।

इरेडा ने भारत में मौजूदा आरई स्थिति और भारत सरकार द्वारा निर्धारित एनडीसी लक्ष्यों के तहत स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के समर्पित विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के लिए कंपनी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

श्री दास ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति विश्व की औसत विकास दर को पार कर गई है, और इस उपलब्धि में इरेडा का प्रमुख योगदान रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जबकि भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गई है, फिर भी भारत में प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत और प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता दुनिया के औसत और अन्य विकसित देशों की तुलना में काफी कम है।

इरेडा ने पूरे ग्रह पृथ्वी पर स्वच्छ और आरई के संपूर्ण विकास को सुनिश्चित करने के लिए दुनिया भर से समग्र और सहयोगी प्रयासों की आवश्यकता को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है।

इरेडा की टीम ने कहा कि विश्व स्तर पर ब्याज दरों में वृद्धि और हेजिंग लागतों को और शामिल करने के कारण, फ्लोटिंग रेट से जुड़े ऋण जो पहले कम लागत वाले थे, अब प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। नतीजतन, इरेडा घरेलू बाजार से जुटा रहा है जहां उधार की लागत विदेशी मुद्रा ऋणों की तुलना में कम रही है।

टीम ने कहा कि विश्व स्तर पर ब्याज दरों में वृद्धि और हेजिंग लागतों को और शामिल करने के कारण, फ्लोटिंग रेट से जुड़े ऋण जो पहले कम लागत वाले थे, अब प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। इसके फलस्वरूप, इरेडा घरेलू बाजार से फंड जुटा रहा है जहां उधार की लागत विदेशी मुद्रा ऋणों की तुलना में कम रही है।

श्री दास ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नई तकनीकों की बड़े पैमाने पर तैनाती सुनिश्चित करने और ग्रीन हाइड्रोजन, बायो-इथेनॉल, कार्बन कैप्चर स्टोरेज और सीक्रेस्ट्रेशन जैसी नई तकनीक आधारित आरई परियोजनाओं की बैंकेबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए; हितधारकों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में मुख्य दक्षताओं और डोमेन-आधारित व्यावसायिक अनुभवों का उपयोग करते हुए बहुपक्षीय एजेंसियों में अभिनव और सहयोगी वित्तीय मॉडल तैयार किए जाने की आवश्यकता है।

इस बैठक में हरित ऊर्जा वित्तपोषण और भारतीय बाजार में मजबूत सहक्रियात्मक क्षमता के माध्यम से स्वच्छ जलवायु पर इरेडा और नोरफंड द्वारा सुदृढ़ फोकस प्रदर्शित किए गए।